NEW ERA AGRICULTURE MAGAZINE

डिजिटल मार्केटिंग

सचिन कुमार वर्मा, आदित्य भूषण श्रीवास्तव एवं रणधीर यादव

परिचय:

आज के युग में सब ऑनलाइन हो गया है। इंटरनेट ने हमारे जीवन को बेहतर बनाया है और हम इसके माध्यम से कई सुविधाओं का आनंद केवल फ़ोन या लैपटॉप के ज़रिये ले सकते है। (ऑनलाइनशॉपिंग, टिकटबुकिंग, रिचार्ज, बिलपेमेंट, ऑनलाइन ट्रांसक्शन्स (आदि जैसे कई काम हम इंटरनेट के ज़रिये कर सकते है। इंटरनेट के प्रति उपभोक्ता के इस रुझान की वजह से बिज़नेस (डिजिटल मार्केटिंग (को अपना रहे है। यदि हम बाजार स्थिति की ओर नज़र डालें तो लगभग 80% दुकानदार किसी की उत्पादन को खरीदने से पहले या सेवाओं को लेने से पहले ऑनलाइन खोजा करते है। ऐसे में किसी भी कंपनी या बिज़नेस के लिए डिजिटल मार्केटिंग महत्वपूर्ण हो जाती है।

डिजिटल मार्केटिंग का तात्पर्य क्या है?

अपनी वस्तुएं और सेवाओं की डिजिटल साधनो से मार्केटिंग करने की प्रतिक्रिया को डिजिटल मार्केटिंग कहते है। डिजिटल मार्केटिंग इंटरनेट के माध्यम से करते हैं। इंटरनेट, कंप्यूटर, मोबाइल फ़ोन, लैपटॉप,वेबसाइट विज्ञापन या किसी और आवेदन पत्र द्वारा हम इससे जुड सकते हैं। 1980 के दशक में सर्वप्रथम कुछ प्रयास किये गये डिजिटल मार्किट को स्थापितकरने में परंतु यह सम्भव नही हो पाया।1990 के दशक मे आखिर मे इसका नाम व उपयोग शुरु हुआ। डिजिटल मार्केटिंग नये ग्राहकों तक पहुंचने का सरल माध्यम है ।यह विपणन गतिविधियों को पूरा करता है। इसे ऑनलाइन मार्केटिंग भी कहा जा सकता है। कम समय में अधिक लोगों तक पहुंच कर विपणन करना डिजिटल मार्केटिंग है। यह प्रोध्योगीकि विकसित करने वाला विकासशील क्षेत्र है। डिजिटल मार्केटिंग से उत्पादक अपने ग्राहक तक पहुंचने के साथ ही साथ उनकी गतिविधियों, उनकी आवश्यकता ओं पर भी दृष्टी रख सकता है। ग्राहकों का रुझान किस तरफ है, ग्राहक क्या चाह रहा है, इन सभी पर विवेचना डिजिटल मार्केटिंग के द्वारा की जा सकती है। सरल भाषा में कहें तो डिजिटल मार्केटिंग डिजिटल तकनीक द्वारा

सचिन कुमार वर्मा ,आदित्य भूषण श्रीवास्तव,रणधीर यादव , (शोधछात्र)
आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एव प्रोधोगिकी विश्वविधालय,कुमारगंज अयोध्या ,उत्तरप्रदेश

डिजिटल मार्केटिंग क्यो आवश्यक है?

यह आधुनिकता का दौर है और इस आधुनिक समय में हर वस्तु में आधुनिक कर न हुआ है। इसी क्रम में इंटरनेट भी इसी आधुनिकता का हिस्सा है जो जंगल की आग की तरह सभी जगह व्याप्त है। डिजिटल मार्केटिंग इंटरनेट के माध्यम से कार्य करने में सक्षम है। आज का समाज समय अल्पता से जूझ रहा है, इसलिये डिजिटल मार्केटिंग आवश्यक हो गया है। हर व्यक्ति इंटरनेट से जुड़ा है वे इस का उपयोग हर स्थान पर आसानी से कर सकता है। अगर आप किसी से मिलने को कहो तो वे कहेगा मेरे पास समय नही है, परंतु सोशल साइट पर उसे आपसे बात करने में कोई समस्या नही होगी। इन्ही सब बातों को देखते हुए डिजिटल मार्केटिंग इस दौर में अपनी जगह बना रहा है। जनता अपनी सुविधा के अनुसार इंटरनेट के जरिये अपना मन पसंद व आवश्यक सामान आसानी से प्राप्त कर सकती है। अब बाज़ार जाने से लोग बचते हैं ऐसे में डिजिटल मार्केटिंग बिज़नेस को अपने उत्पाद और सेवाओं को लोगो तक पहुंचाने में मदद करती है। डिजिटल मार्केटिंग कम समय में एक ही वस्तु के कयी प्रकार दिखा सकता है और उप्भोक्ता को जो उपभोग पसंद है वे तुरंत उसे ले सकता है। इस माध्यम से उपभोकता का बाज़ार जाना वस्तु पसंद करने, आने जाने में जो समय लगता है वो बच जाता है। ये वर्तमान काल में आवश्यक हो गया है। व्यापारी को भी व्यापार में मदद मिल रही है। वो भी कम समय में अधिक लोगो से जुड़ सकता है और अपने उत्पाद की खूबियाँ उपभोक्ता तक पहुँचा सकत है।

वर्तमान समय में डिजिटल मार्केटिंग की मांग

परिवर्तन जीवन का नियम है, यह तो आप सब जानते ही हैं। पहले समय में और आज के जीवन में कितना बदलाव हुआ है और आज इंटरनेट का जमाना है। हर वर्ण के लोग आज इंटरनेट से जुड़े है, इन्ही सब के कारण सभी लोगो को एक स्थान पर एकत्र कर पाना आसान है जो पहले समय में सम्भव नही था। इंटरनेट के जरिये हम सभी व्यवसायी और ग्राहक का तार तम्य स्थापित भी कर सकते हैं। डिजिटल मार्केटिंग की मांग वर्तमान समय में बहुत प्रबल रुपमें देखने को मिल रही है। व्यापारी जो अपना सामान बना रहा है, वो आसानी से ग्राहक तक पहुंचा रहा है। इससे डिजिटल व्यापार को बढ़ावा मिल रहा है। पहले विज्ञापनो का सहारा लेना पड़ रहा था। ग्राहक उसे देखता था, फिर पसंद करता था, फिर वह उसे खरीदता था। परंतु अब सीधा उपभोक्ता तक सामान भेजा जा सकता है। हर व्यक्ति गूगल, फेसबुक, यूट्यूब आदि उपयोग कर रहा है, जिसके द्वारा व्यापारी अपना उत्पाद -ग्राहक को दिखाता

है। यह व्यापार सबकी पहुंच में है -व्यापारी व उपभोक्ता की भी।

हर व्यक्ति को आराम से बिना किसी परिश्रम के प्रतयेक उपयोग की चीज़ मिल जाती है। व्यापारी को भी यह सोचना नही पड़ता कि वह अखबार, पोस्टर, या विज्ञापन का सहारा ले । सबकी सुविधा के मद्दे नजर इसकी मांग है। लोगों का विश्वास भी डिजिटल मार्किट की ओर बड़ रहा है। यह एक व्यापारी के लिये हर्ष का विषय है। कहावत है जो दिखता है वही बिकता है - " डिजिटल मार्किट इसका अच्छा उदाहरण है।

डिजिटल मार्केटिंग के प्रकार

सबसे पहले तो आपको यह बता दे कि डिजिटल मार्केटिंग करने के लिये इंटरनेट' ही एक मात्र साधन है। इंटरनेट पर ही हम अलग-अलग वेबसाइट के द्वारा डिजिटल मार्केटिंग कर सकते हैं। इसके कुछ प्रकार के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं-

I. सर्च इंजनऔप्टीमाइज़ेषन

यह एक ऐसा तकनीकी माध्यम है जो आपकी वेबसाइट को सर्च इंजन के परिणाम पर सबसे ऊपर जगह दिलाता है जिससे दर्शकों की संख्या में बड़ोतरी होती है। इसके लिए हमें अपनी वेबसाइट को की वर्ड और सर्च इंजन औप्टीमाइज़ेषन **मार्ग दर्शन** के अनुसार बनाना होता है।

II. सोशल मीडिया

सोशल मीडिया कई वेबसाइट से मिलकर बना है - जैसे फेसबुक ट्विटर लिंकेदले, आदि सोशल मीडिया के माध्यम से व्यक्ति अपने विचार हजारों लोगों के सामने रख सकता है। आप भली प्रकार सोशल मीडिया के बारे में जानते है। जब हम ये साइट देखते हैं तो इस पर कुछ-कुछ अन्तराल पर हमे विज्ञापन दिखते हैं यह विज्ञापन के लिये कारगार व असरदार जरिया है।

III. ई-मेल मार्केटिंग

किसी भी कंपनी द्वारा अपने उत्पादों कोई -मेल के द्वारा पहुंचाना ई-मेल मार्केटिंग है। ई मेल मार्केटिंग हर प्रकार से हर कंपनी के लिये आवश्यक है क्योकी कोई भी कंपनी नये प्रस्ताव और छूट ग्राहको के लिये समयानुसार देती हैं जिसके लिए ई मेल मार्केटिंग एक सुगम रास्ता है।

IV. यूट्यूब चेनल

सोशल मीडिया का ऐसा माध्यम है जिसमे उत्पादक अपने उत्पादों को लोगों के समक्ष प्रत्यक्ष रुप से पहुंचाना है। लोग इस पर अपनी प्रतिक्रया भी व्यक्त कर सकते हैं। ये वो माध्यम है जहां बहुत से लोगो की भीड़ रहती है या यूं कह लिजिये की बड़ी सन्ख्या में उपभोक्ता /देखने वाले यूट्यूब पर रहते हैं। ये अपने उत्पाद को लोगों के समक्ष

वीडियो बनाकर दिखाने का सुलभ व लोक प्रिय माध्यम है।

V. अफिलिएट मार्केटिंग

वेबसाइट, ब्लो गया लिंक के माध्यम से उत्पादनों के विज्ञापन करने से जो मेहनताना मिलता है, इसे ही अफिलिएट मार्केटिंग कहा जाता है। इसके अन्तर्गत आप अपना लिंक बनाते हैं और अपना उत्पाद उस लिंक पर डालते है। जब ग्राहक उस लिंक को दबाकर आपका उत्पाद खरीदता है तो आपको उस पर मेहन्ताना मिलता है।

VI. पेपर क्लिक ऐडवर्टीजमेंट

जिस विज्ञापन को देखने के लिए आपको भुगतान करना पड़ता है उसे ही पेपर क्लिक ऐडवर्टीजमेंट कहा जाता है। जैसा की इसके नाम से विदित हो रहा है की इस पर क्लिक करते ही पैसे कटते हैं। यह हर प्रकार के विज्ञापन के लिये है। यह विज्ञापन बीच में आते रहते हैं। अगर इन विज्ञापनो को कोई देखता है तो पैसे कटते हैं। यह भी डिजिटल मार्केटिंग का एक प्रकार है।

VII. एप्समार्केटिंग

इंटरनेट पर अलग-अलग ऐप्स बनाकर लोगों तक पहुंचाने और उस पर अपने उत्पाद का प्रचार करने को ऐप्स मार्केटिंग कहते हैं। यह डिजिटल मार्केटिंग का बहुत ही उत्तम रस्ता है। आजकल बड़ी संख्या में लोग स्मार्ट फ़ोन का उपयोग कर रहे हैं। बड़ी-बड़ी कंपनी अपने एप्स बनाती हैं और एप्स को लोगों तक पहुंचाती है।

डिजिटल मार्केटिंग की उपयोगिताएं

डिजिटल मार्केटिंग की उपयोगिता के बारे में हम आपको बता रहे हैं-

(i) आप अपनी वेबसाइट पर ब्रोशर बनाकर उस पर अपने उत्पाद का विज्ञापन लोगों के लेटेर-बॉक्स पर भेज सकते हैं। कितने लोग आपको देखर हे हैं यह भी पता लगाया जा सकता है।

(ii) वेबसाइट ट्रेफ़िक -सबसे ज्यादा दर्श कों की भीड़ किस वेबसाइट पर है - पहले ये आप जान ले, फिर उस वेबसाइट पर अपना विज्ञापन डाल देंता की आपको अधिक लोग देख सकें।

(iii) एट्रब्युषन मॉडलिंग - इसके द्वारा हमयह पता कर सकते है की आजकल लोग किस उत्पाद में रुचि ले रहे हैं या किन-किन विज्ञापनों को देख रहे हैं। इसके लिये विशेश टूल का प्रयोग कर ना होता है जो की एक विशेश तकनीक के द्वारा किया जा सकता है औ रहम अपने उपभोक्ताओं की हरकतें यानी उनकी रुचि पर नज़र रख सकते हैं। आप अपने उपभोक्ता से किस प्रकार सम्पर्क बना रहे हैं यह विषय महत्वपूर्ण है। आप उनकी आवश्यक्ता के साथ पसंद पर भी दृष्टी बनाकर रखा करें ऐसा कर ने से व्यापार में वृद्घि हो सकती है। आप पर उनका विश्वास

भी अत्यन्त आवश्यक है, की वह विज्ञापन देखकर आपका उत्पाद खरीदने में संकोच न करें तुरंत ले लें । इनके विश्वास को आपने विश्वास देना है। ग्राहक को आश्वासन दिलाना आपका दायित्व है। अगर किसी को सामान पसंद न आये तो उसको बदलने के लिये वो अपना संदेश आप तक पहुंचास के इसके लिये ई बुकआप की सहायता कर सकता है।

निष्कर्ष

डिजिटल मार्केटिंग एक एसा माध्यम बन गया है जिससे कि मार्केटिंग) व्यापार (को बढ़ाया जा सकता है। इसके उपयोग से सभी लाभान्वित हैं। उपभोक्ता व व्यापारी के बीच अच्छे से अच्छा ताल-मेल बना रहे हैं, इसी सामजस्य को डिजिटल मार्केटिंग द्वारा पूरा किया जा सकता है। डिजिटल मार्केटिंगआधुनिकता का एक अनूठा उद्धरण है। आशा है की आप भी डिजिटल मार्केटिंग से लाभांवित होंगे।

“उत्पादो की बहार, हमारा डिजिटल व्यापार ।” डिजिटल मार्केटिंग व्यवसायों को अधिक ग्राहकों तक पहुँचने में मदद करने के लिए प्रौद्योगिकीका उपयोग करने का एक तरीका है। यह व्यवसायों को अपने विपणन प्रयासों को अपने ग्राहकों की आवश्यकताओं के साथ समन्वयितकरने में मदद करता है, और यह व्यवसायों और उनके ग्राहकों के बीच सामंजस्य की भावना पैदा करने में मदद कर सकता है।

“उत्पादो की बहार, हमारा डिजिटल व्यापार।"